अन्नदा कॉलेज में राष्ट्रीय सेमिनार के पहले दिन 63 शोध पत्र पढ़े गये

प्रतिनिधि, हजारीबाग

अन्नदा कॉलेज में दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार का उद्घाटन शुक्रवार को हुआ. सेमिनार का उद्देश्य देश के लोगों को शोध में विभिन्न आयामों के महत्व के बारे में जागरूक करना है. उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि प्रो हितेंद्र पटेल रविन्द्र भारती विश्वविद्यालय कोलकाता, विशिष्ट अतिथि डॉ अमर कुमार चौधरी रांची विश्वविद्यालय रांची , डॉ फैयाज हसन बीएन कॉलेज पटना, प्रो मुक्तेश्वर नाथ तिवारी शांति निकेतन थे. अध्यक्षता अन्नदा. महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ नीलमणि मुखर्जी ने की. सेमिनार की शुरुआत अथितियों ने दीप प्रज्वलन कर किया. प्राचार्य डॉ नीलमणि मुखर्जी ने स्वागत भाषण में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा के लिए इस प्रकार के सेमिनार के आयोजन की आवश्यकता बताई, उन्होंने चर्चा के लिए विषय एवं उपविषयों के चयन की भी सराहना की. उन्होंने कहा कि शोध मानव संसाधन को प्राप्त करने,एक न्याय संगत , न्यायपूर्ण समाज के विकास एवं राष्ट्रीय विकास को बढ़ावा देने के लिए मूलभूत आवश्यकता है. ज्ञान के परिदृश्य में पूरा विश्व तेजी से परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है. आज आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसे विषयों पर तेजी से कार्य हो रहा है. ऐसे में निरंतर शोध की गति ही लोगो को समय के साथ चलना सिखायेगा.

मंच पर उपस्थित अतिथि व अन्य.

63 शोध पत्र पढ़ा गया : सेमिनार का विषय ग्लोबल डेवलपमेंट इन मल्टीडिशिपलिनियरी एकेडमिक रिसर्च है. सेमिनार के पहले दिन 10 उपविषयों पर चर्चा की गई, जिसमें देश के विभिन्न राज्यों से आए लगभग 63 प्रतिभागियों ने गुणवत्तापूर्ण शिक्षा से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर शोध पत्र पढ़ा गया. अजय कुमार वर्मा ने राष्ट्रीय संगोष्ठी की रिपोर्ट प्रस्तुत की. शोधपत्र प्रस्तुत करने वालों को प्रमाण पत्र वितरित किये गये. मंच संचालन डॉ पंकज कुमार पंकज ने किया. कार्यक्रम में डॉ कुमुद कला मेहता, डॉ सरोज रंजन, उमा गुप्ता, डॉ निशांत, डॉ सुरजीत भादुरी, डॉ कृष्णा कुमार यादव, डॉ अमित सिन्हा, डॉ बादल रक्षित, डॉ बरनांगों बनर्जी, अनुभा कुमारी, अनिकेत कुमार समेत अन्य शिक्षक, विद्यार्थी, शोधार्थी उपस्थित थे. डॉ विवेक ने धन्यवाद ज्ञापन किया .

दो तकनीकी सत्र आयोजित किये गये

सेमिनार के पहले दिन दो तकनीकी सत्र आयोजित किये गये. पहले सत्र में डॉ हितेंद्र पटेल रविन्द्र भारती विश्वविद्यालय कोलकाता, पश्चिम बंगाल ने चेयर पर्सन के रूप में संचालन किया, जबकि डॉ अमर चौधरी रांची विश्वविद्यालय, रांची ने दूसरे तकनीकी सत्र की अध्यक्षता की. प्रो इंचार्ज डॉ सुभाष कुमार ने सेमिनार की प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला.

शोध में विभिन्न आयामों के महत्व पर दो दिवसीय शिविर प्रारंभ

संवाद सहयोगी, हजारीबाग : अन्नदा महाविद्यालय में शोध में विभिन्न आयामों के महत्व पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी प्रारंभ दीप प्रज्वलित कर किया गया। संगोष्ठी में देश के विभिन्न राज्यों से विद्वान शामिल हो रहे हैं और अपना शोध पत्र भी प्रस्तुत करेंगें। उद्घाटन रविन्द्र भारती विश्वविद्यालय कोलकाता के प्रो. डा. हितेंद्र पटेल, रांची विश्वविद्यालय के डा. अमर कुमार चौधरी, बीएन कालेज पटना के डा. फैयाज हसन, शांति निकेतन के प्रो. मुक्तेश्वर नाथ तिवारी ने संयुक्त रूप से किया। अध्यक्षता अन्नदा महाविद्यालय के प्राचार्य डा. नीलमणि मुखर्जी ने की।

प्राचार्य ने स्वागत भाषण में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की और आयोजन के

अन्नदा कालेज में दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में संबोधित करते अतिशि • जागरण

पीछे का उद्देश्य बताया। चर्चा के लिए विषय और उप विषयों के चयन की भी सराहना की।

कहा कि शोध मानव संसाधन को प्राप्त करने, एक न्याय संगत और न्यायपूर्ण समाज के विकास और राष्ट्रीय विकास को बढ़ावा देने के लिए मूलभूत आवश्यकता है। ज्ञान के परिदृश्य में पूरा विश्व तेजी से परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है। संगोष्ठी में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसे मुद्दों को उठाया गया।

सेमिनार के पहले दिन दो तकनीकी सत्र आयोजित किए गए। पहले सत्र में प्रो डा. हितेंद्र पटेल रविन्द्र भारती विश्वविद्यालय कोलकाता, पश्चिम बंगाल ने चेयर पर्सन के रूप में पहले तकनीकी सत्र का संचालन किया, जबकि डा. अमर चौधरी रांची विश्वविद्यालय, रांची ने दूसरे तकनीकी सत्र की अध्यक्षता की। प्रो. इंचार्ज डा. सुभाष कुमार ने सेमिनार की प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला। पहले दिन के तकनीकी सत्रों में 60 प्रतिभागियों ने विभिन्न पहलुओं पर अपने विचार प्रस्तुत किए।

वहीं दूसरे सत्र में ग्लोबल डेवलपमेंट इन मल्टीडिशिपलिनियरी एकेडमिक रिसर्च पर विचार प्रस्तुत किए गए। अजय कुमार वर्मा ने राष्ट्रीय संगोष्ठी की रिपोर्ट प्रस्तुत की। शोधपत्र प्रस्तुत करने वालों को प्रमाण पत्र वितरित किये गये। डा. विवेक द्वारा देश के विभिन्न हिस्सों से आए सभी संसाधन व्यक्तियों, मुख्य अतिथि, सम्मानित अतिथियों का सहयोग, भागीदारी और सेमिनार को सफल बनाने के लिए धन्यवाद ज्ञापन किया गया। संचालन डा. पंकज कुमार पंकज ने किया।

संगोष्ठी में आनलाइन आज देश के विभिन्न विद्वान देंगे व्याख्यान

अन्नदा कालेज में आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में तीन फरवरी शनिवार को आनलाइन मध्यम से देश के विभिन्न हिस्सों के शोधार्थी व शिक्षाविदों से जुड़ेंगे। यह जानकारी प्राचार्य ने दी। बताया कि संबोधन के दौरान कई विषय आएंगे जो आने वाले दिनों में शोध पर महत्वपूर्ण दस्तावेज होगा।

नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति में बहुत सारी चीजें हैं समाहित : प्रो. पटेल

भास्कर न्यूज | हजारीबाग

अन्नदा कॉलेज हजारीबाग में वैश्विक विकास में बहु विषयक शैक्षिक शोध विषय पर दो दिवसीय नेशनल सेमिनार प्रारंभ हुआ। कॉलेज ने सेमिनार का आयोजन विनियम रिसर्च एसोसिएशन, धनबाद के तत्वावधान में किया है। सेमिनार का उद्देश्य विद्यार्थियों और शिक्षकों को शोध के विभिन्न आयामों से परिचित कराते हुए बहुविषयक शोध के लिए जागरूक करना है। उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि प्रो डॉ हितेंद्र पटेल रविन्द्र भारती विश्वविद्यालय कोलकाता, विशिष्ट अतिथि डॉ अमर कुमार चौधरी रांची विश्वविद्यालय रांची, डॉ फैयाज अहसन बीएन कॉलेज पटना, प्रो मुक्तेश्वर नाथ तिवारी शांति निकेतन थे।

अध्यक्षता अन्नदा महाविद्यालय के प्रभारी प्राचार्य डॉ नीलमणि मुखर्जी ने किया। सम्मानित अतिथि के रूप में डॉ कुमुद कला मेहता, डॉ सरोज रंजन, उमा गुप्ता, डॉ निशांत भी शामिल हुए। प्राचार्य डॉ नीलमणि मुखर्जी ने स्वागत भाषण में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा के लिए इस प्रकार के सेमिनार के आयोजन की आवश्यकता बताई।

उद्घाटन सत्र को संबोधित करते मुख्य अतिथि प्रो हितेंद्र पटेल ने कहा कि शिक्षा के बदलते स्वरूप से हम पूरी तरह भिज्ञ नहीं है। युवा नारी शक्ति किसान गरीब को जैसा हम किताबों में पढ़ रहे हैं वर्तमान परिदृश्य उससे अलग है। शिक्षा का एक उद्देश्य रोजगार के लिए तैयार करना हो सकता है। उन्होंने कहा कि भारत में अंग्रेजों के आने से पहले शिक्षा का उद्देश्य सिर्फ रोजगार प्राप्त करना नहीं था। राष्ट्रीय शिक्षा नीति पर चर्चा करते हुए कहा कि नीति में बहुत सारी चीजों को समाहित किया गया है

उसका सही या गलत इस्तेमाल हम पर निर्भर करता है। हमारी मानसिकता आकांक्षा संस्कृति सबको बर्बाद करने के पीछे पूंजी का योगदान है। वर्तमान में अच्छा संकेत है कि 200 वर्षों के बाद हम भारतीयों ने अपनी मेधा को खोजना प्रारंभ किया है।

डॉ अमर कुमार चौधरी ने कहा की अपना झारखंड 40% मिनरल देता है लेकिन हमारी बड़ी आबादी को रात में सही से भोजन नहीं मिल पाता। पहले दिन दो तकनीकी सत्र आयोजित किए गए। पहले सत्र में प्रो डॉ हितेंद्र पटेल चेयर पर्सन थे डॉ अमर चौधरी रांची विश्वविद्यालय, रांची ने दूसरे तकनीकी सत्र की अध्यक्षता की। प्रो इंचार्ज डॉ सुभाष कुमार ने सेमिनार की प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला। पहले दिन के तकनीकी सत्रों में 60 प्रतिभागियों ने विभिन्न पहलुओं पर अपने विचार प्रस्तुत किया। दूसरे दिन ऑनलाइन माध्यम से देश के विभिन्न हिस्सों के शोधार्थी तथा शिक्षाविद जुड़ेंगे। सेमिनार के पहले दिन 10 उपविषयों पर चर्चा की गई। आयोजन सचिव डॉ अजय प्रसाद वर्मा राष्ट्रीय संगोष्ठी की रिपोर्ट प्रस्तुत की। शोधपत्र प्रस्तुत करने वालों को प्रमाण पत्र वितरित किया। संचालन डॉ पंकज कुमार पंकज ने किया। आयोजन डॉ विवेक, डॉ सुरजीत भादुरी, डॉ कृष्णा कुमार यादव, डॉ अमित सिन्हा, डॉ बादल रक्षित, डॉ बरनांगों बनर्जी, अनुभा कुमारी, अनिकेत कुमार ने मुख्य भूमिका निभाई।

डिजिटल इंडिया के लिए संयुक्त प्रयास जरूरी

अन्नदा महाविद्यालय में आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में शोधार्थियों को किया गया सम्मानित

संगोष्ठी के दूसरे दिन विद्वानों ने आनलाइन पद्धति से किया संबोधित

शोधार्थियों को किन-किन चीजों पर ध्यान देना चाहिए, इसपर दिया जोर

संवाद सहयोगी, हजारीबाग : ग्लोबल डेवलपमेंट इन मल्टीडिसीप्लिनरी एकेडमिक रिसर्च विषय पर अन्नदा कालेज में आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी राष्ट्र सर्वोपरी और राष्ट्र प्रथम के संकल्प के साथ संपन्न हो गया। दूसरे दिन संगोष्ठी का आनलाइन संचालन हुआ और देश के विभिन्न विद्वानों ने आनलाइन पद्धति से संगोष्ठी को संबोधित कर अपने विचार को रखे। समापन समारोह में कालेज के सचिव डा. सजल मुखर्जी ने अध्यक्षता की। अध्यक्षीय संबोधन में डा. मुखर्जी ने एब्स्ट्रैक्ट लेखन की विधि की जानकारी दी। बताया कि एब्स्ट्रैक्ट लिखते वक्त किन-किन चीजों को शोधार्थियों को ध्यान में रखने की जरूरत है, उस पर बल दिया। उन्होंने कहा कि रिसर्च पेपर लिखते समय पेपर में लक्ष्य, उद्देश्य, प्रविधि, निष्कर्ष और सुझाव जरूर शामिल करना चाहिए। रिसर्च पेपर तथ्यपरक होने चाहिए। साथ ही बिबिलियोग्राफी व संदर्भ लेखन के बारे में भी उन्होंने विस्तार से बतलाया। वहीं आनलाइन सत्र के मुख्यवक्ता डा. दास ने कहा कि सूचना प्रौद्योगिकी हमराह है, हमराही नहीं। सूचना प्रौद्योगिकी नीतियों में अस्पृश्यता ढांचागत कठिनाइयों के चलते महत्वाकांक्षी डिजिटल इंडिया का सफल क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के मामले में अनेक चुनौतियां हैं और यह संगोष्ठी में आए समाजशास्त्री विद्वानों के विचार इसके हल को ढूंढती है। हम सब को संयुक्त प्रयास से हीं इसे संभव बनाया जा सकता है। वहीं देश आनलाइन माध्यम से जुड़े समाजशास्त्रीय अन्वेषकों ने कहा कि आज देश युवा देश के नाम से जाना जा रहा है। ऐसे में भारत का युवा इस तकनीक का भलीभांति प्रयोग करके देश को पहली पंक्ति में खड़ा कर सकता है। परंतु यह भी विचारणीय है कि इसका सरल व समाज को विकृत करने वाले तमाम एप को तकनीक के माध्यम से ही रोका जा सकता है। शोधार्थी उदय ने भारत चीन रिश्ते पर प्रकाश डाला। वहीं एक अन्य शोधार्थी ने नव इतिहासवाद और पिछड़े समाज के विभिन्न पहलुओं पर बात की। केरला यूनिवर्सिटी से जुड़े एक प्राध्यापक ने समकालीन नारीवादी राजनीति पर अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। वहीं, झारखंड से खोरठा में लघु कथा लिखने की परंपरा पर भुवनेश्वर महतो ने अपना पत्र पढ़ा। भारतीय लोकतंत्र में राजनीतिक दलों की भूमिका का आलोचनात्मक अध्ययन पर दीपेश कुमार ने अपनी प्रस्तुति दी।

बिहार से जुड़े रत्नेश चंद ने बिहार में शैक्षणिक सुधार हेतु सरकारी नीति पर अपना पक्ष रखा। पलामू से जुड़े शोधार्थी विमल कुमार ने बौद्ध दर्शन के संदर्भ में मूल्य शिक्षा का शैक्षणिक निहितार्थ पर अपना पत्र प्रस्तुत किया। संगोष्ठी को सफल बनाने में संयोजक अजय वर्मा, डा. सुरजीत भादुरी, डा. कृष्णा कुमार यादव, डा. पंकज, डा. विवेक, डा. कृष्णा कुमार, डा. बादल रक्षित, अनुभा कुमारी, अमित सिन्हा, अनिकेत सहित अन्य का सहयोग रहा।

समापन समारोह में विद्वानों को सम्मानित करते सचिव डा. सजल मुखर्जी • जागरण

इन्हें किया गया सम्मानित

राष्ट्रीय संगोष्ठी के समापन सत्र में सबसे उत्कृष्ट तीन पेपर प्रस्तुत करने के लिए बीबीए विभाग के अमित सिन्हा को प्रथम, बायोटेक के अनुभा कुमारी को द्वितीय व हिंदी विभाग के डा. उर्मिला कुमारी का तृतीय स्थान की घोषणा की गई। तीनों को विनियम रिसर्च एसोसिएशन के डायरेक्टर उमा गुप्ता ने मैडल व प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। समापन सत्र को संबोधित करते हुए प्राचार्य डा. नीलमणि मुखर्जी ने कहा कि महाविद्यालय के लिए नेशनल सेमीनार का आयोजन चुनौती भरा था। परंतु इस वैश्विक विषय पर अपना सहयोग व सहभागिता प्रदान करने वाले सभी शोधार्थी व विद्वान बधाई के पात्र हैं।

अन्नदा महाविद्यालय में 'ग्लोबल डेवलपमेंट इन मल्टीडिसीप्लिनरी एकेडमिक रिसर्च' विषय पर आयोजित दो दिवसीय सेमिनार संपन्न

प्रातः आवाज

हजारीबाग। अन्नदा महाविद्यालय में 'ग्लोबल डेवलपमेंट इन मल्टीडिसीप्लिनरी एकेडमिक रिसर्च' विषय पर आयोजित दो दिवसीय सेमिनार संपन्न हो गया। ऑनलाइन सत्र का महाविद्यालय के सचिव डॉ सजल मुखर्जी ने अध्यक्षता की। गोष्ठी डॉ मनोहर कुमार दास ,प्रोफेसर केन्द्रीय विश्वविद्यालय रांची सहित तमाम विद्वानों की व्याख्यान मालाओं के साथ संपन्न हुआ। डॉ मुखर्जी ने एब्स्ट्रैक्ट लेखन की विधि को बताया। एब्स्ट्रैक्ट लिखते वक्त किन-किन चीजों को शोधार्थियों को ध्यान में रखने की जरूरत है, उस पर बल दिया। उन्होंने कहा कि रिसर्च पेपर लिखते समय पेपर में लक्ष्य, उद्देश्य, प्रविधि, निष्कर्ष और सुझाव जरूर शामिल करना चाहिए। रिसर्च पेपर तथ्यपरक होने चाहिए। साथ ही बिबिलियोग्राफी व संदर्भ लेखन के बारे में भी उन्होंने विस्तार से बतलाया। मुख्य वक्ता डॉ दास ने कहा कि सूचना प्रौद्योगिकी हमराह है, हमराही नहीं। सूचना प्रौद्योगिकी नीतियों में अस्पृश्यता ढांचागत कठिनाइयों के चलते महत्वाकांक्षी डिजिटल इंडिया का सफल क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के मामले में अनेक चुनौतियां हैं और यह संगोष्ठी में आए समाजशास्त्री विद्वानों के विचार इसके हल को ढूंढती है। देश प्रदेश के महाविद्यालय, विश्वविद्यालय से ऑनलाइन माध्यम से जुड़े समाजशास्त्रीय अन्वेषकों ने कहा कि आज देश युवा देश के नाम से जाना जा रहा है। ऐसे में भारत का युवा इस तकनीक का भलीभांति प्रयोग करके देश को पहली पंक्ति में खड़ा कर सकता है। परंतु यह भी विचारणीय है कि इसका सरल एवं समाज को विकृत करने वाले तमाम ऐप को तकनीक के माध्यम से

ही रोका जा सकता है। शोधार्थी उदय ने भारत चीन रिश्ते पर प्रकाश डाला। वहीं एक अन्य शोधार्थी ने नव इतिहासवाद और पिछड़े समाज के विभिन्न पहलुओं पर बात की। केरला यूनिवर्सिटी से जुड़े एक प्राध्यापक ने समकालीन नारीवादी राजनीति पर अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया वही झारखंड से खोरठा में लघु कथा लिखने की परंपरा पर भुवनेश्वर महतो ने अपना पत्र पढ़ा। भारतीय लोकतंत्र में राजनीतिक दलों की भूमिका का आलोचनात्मक अध्ययन पर दीपेश कुमार ने अपनी प्रस्तुति दी। बिहार से जुड़े रत्नेश चंद ने बिहार में शैक्षणिक सुधार हेतु सरकारी नीति पर अपना पक्ष रखा। पलामू से जुड़े शोधार्थी विमल कुमार ने बौद्ध दर्शन के संदर्भ में मूल्य शिक्षा का शैक्षणिक निहितार्थ पर अपना पत्र प्रस्तुत किया। राष्ट्रीय सेमिनार के समापन सत्र में सबसे उत्कृष्ट तीन पेपर प्रस्तुत करने के लिए बीबीए विभाग के अमित सिन्हा को प्रथम, बायोटेक के अनुभा कुमारी को द्वितीय तथा हिंदी विभाग के डॉ उर्मिला कुमारी का तृतीय स्थान की घोषणा की गई। तीनों को विनियम रिसर्च एसोसिएशन के डायरेक्टर उमा गुप्ता ने मैडल एवं एवं प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। समापन सत्र को संबोधित करते हुए प्राचार्य डॉ नीलमणि मुखर्जी ने कहा कि महाविद्यालय के लिए नेशनल सेमिनार का आयोजन चुनौती भरा था, परंतु इस वैश्विक विषय पर अपना सहयोग एवं सहभागिता प्रदान करने वाले सभी शोधार्थी एवं विद्वान बधाई के पात्र हैं। प्राचार्य ने गोष्ठी के सकुशल संपन्न होने पर अपनी ओर से पधारे सभी समस्त अतिथिगण गोष्ठी संयोजक अजय वर्मा सहित उनकी पूरी टीम डॉ सुरजीत भादुरी, डॉ कृष्णा कुमार यादव , डॉ पंकज , डॉ विवेक, डॉ कृष्णा कुमार, डॉ बादल रक्षित, अनुभा कुमारी, अमित सिन्हा, अनिकेत सहित उपस्थित प्राध्यापक आगंतुक छात्र छात्राओं तथा सहयोगी कर्मचारी का विशेष रूप से धन्यवाद ज्ञापित किया। साथ ही बताया कि इस प्रकार का सेमिनार आगामी समय में महाविद्यालय कराने के लिए दृढ़ संकल्पित है।

दो दिवसीय नेशनल सेमिनार संपन्न

रिसर्च पेपर में तथ्यों का रखें खास ध्यान

हजारीबाग में शनिवार को अतिथियों का स्वागत करते लोग। • हिन्दुस्तान

बोले डॉ सजल

हजारीबाग, शिक्षा प्रतिनिधि। अन्नदा कॉलेज में दो दिवसीय आयोजित नेशनल सेमिनार का शनिवार को समापन हो गया। ग्लोबल डेवलपमेंट इन मल्टीडिसीप्लिनरी एकेडमिक रिसर्च विषय पर आयोजित सेमिनार के समापन पर प्राचार्य डॉ नीलमणि मुखर्जी ने कहा कि महाविद्यालय के लिए नेशनल सेमिनार का आयोजन चुनौती भरा था। लेकिन इस वैश्विक विषय पर अपना सहयोग एवं सहभागिता प्रदान करने वाले सभी शोधार्थी एवं विद्वान बधाई के पात्र हैं।

सेमिनार के दूसरे दिन ऑनलाइन सत्र का आयोजन किया गया। इसकी अध्यक्षता कॉलेज के सचिव डॉ सजल मुखर्जी ने की। उन्होंने अध्यक्षीय संबोधन में एब्स्ट्रैक्ट लेखन की विधि बतलाते हुए कहा कि किन-किन चीजों को शोधार्थियों को ध्यान में रखने की जरूरत है। कहा कि रिसर्च पेपर लिखते समय पेपर में लक्ष्य, उद्देश्य, प्रविधि, निष्कर्ष और सुझाव जरूर शामिल करना चाहिए। रिसर्च पेपर तथ्यपरक होने चाहिए। साथ ही बिबिलियोग्राफी व संदर्भ लेखन के बारे में भी उन्होंने विस्तार से जानकारी दी।

वहीं ऑनलाइन सत्र के मुख्यवक्ता डॉ दास ने कहा कि सूचना प्रौद्योगिकी हमराह है, हमराही नहीं। सूचना प्रौद्योगिकी नीतियों में अस्पृश्यता ढांचागत कठिनाइयों के चलते महत्वाकांक्षी डिजिटल इंडिया का सफल क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के मामले में अनेक चुनौतियां हैं। इस संगोष्ठी में शामिल समाजशास्त्री विद्वानों के विचार इसके हल को ढुढंने का प्रयास किया है।

भारत-चीन के रिश्ते पर प्रकाश डाला

देश प्रदेश के कॉलेज, विवि से ऑनलाइन माध्यम से जुड़े समाजशास्त्रीय अन्वेषकों ने कहा कि आज देश युवा देश के नाम से जाना जा रहा है। ऐसे में भारत का युवा इस तकनीक का भलीभांति प्रयोग करके देश को पहली पंक्ति में खड़ा कर सकता है। परंतु यह भी विचारणीय है कि इसका सरल एवं समाज को विकृत करने वाले तमाम ऐप को तकनीक के माध्यम से ही रोका जा सकता है।

कार्यक्रम. अन्नदा कॉलेज में ऑनलाइन सत्र के साथ राष्ट्रीय सेमिनार का समापन

रिसर्च पेपर लिखते समय लक्ष्य, उद्देश्य प्रविधि, निष्कर्ष व सुझाव जरूरी : डॉ सजल

प्रतिनिधि, हजारीबाग

अन्नदा कॉलेज में दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार के दूसरे दिन शनिवार को ग्लोबल डेवलपमेंट इन मल्टीडिसीप्लिनरी एकेडमिक रिसर्च विषय में ऑनलाइन सत्र का आयोजन किया गया. अध्यक्षता कॉलेज के सचिव डॉ सजल मुखर्जी ने की. ऑनलाइन सत्र के मुख्य वक्ता डॉ मनोहर कुमार दास ने कहा कि सूचना प्रौद्योगिकी हमराह है, हमराही नहीं. सूचना प्रौद्योगिकी नीतियों में अस्पृश्यता ढांचागत कठिनाइयों के चलते महत्वाकांक्षी डिजिटल इंडिया का सफल क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के मामले में अनेक चुनौतियां हैं और यह संगोष्ठी में आए समाजशास्त्री विद्वानों के विचार इसके हल ढूंढते हैं.

अध्यक्षीय संबोधन में डॉ सजल मुखर्जी ने एब्स्ट्रैक्ट लेखन की विधि बतलाया. एब्स्ट्रैक्ट लिखते वक्त किन-

अन्नदा कॉलेज के सचिव डॉ प्रो सजल मुखर्जी सेमिनार को संबोधित करते.

किन चीजों को शोधार्थियों को ध्यान में रखने की जरूरत है, उस पर बल दिया. उन्होंने कहा कि रिसर्च पेपर लिखते समय पेपर में लक्ष्य, उद्देश्य, प्रविधि, निष्कर्ष और सुझाव जरूर शामिल करना चाहिए. कई राज्यों के महाविद्यालय, विश्वविद्यालय से ऑनलाइन माध्यम से जुड़े समाजशास्त्रीय अन्वेषकों ने कहा कि आज देश युवा देश के नाम से जाना जा रहा है. ऐसे में भारत का युवा इस तकनीक का भलीभांति प्रयोग करके देश को पहली पंक्ति में खड़ा कर सकता है.

शोधार्थी उदय ने भारत चीन के रिश्ते पर प्रकाश डाला. राष्ट्रीय सेमिनार के समापन सत्र में सबसे उत्कृष्ट तीन पेपर प्रस्तुत करने के लिए बीवीए विभाग के अमित सिन्हा को प्रथम, बायोटेक के अनुभा कुमारी को द्वितीय व हिंदी विभाग के डॉ उर्मिला कुमारी का तृतीय स्थान प्राप्त हुआ. तीनों को विनियम रिसर्च एसोसिएशन के डायरेक्टर उमा गुप्ता ने मेडल व प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया. प्राचार्य डॉ नीलमणि मुखर्जी ने कहा कि महाविद्यालय के लिए नेशनल सेमिनार का आयोजन चुनौती भरा था. प्राचार्य ने गोष्ठी संपन्न होने पर अपनी ओर से अतिथिगण, गोष्ठी संयोजक अजय वर्मा सहित उनकी पूरी टीम डॉ सुरजीत भादुरी, डॉ कृष्णा कुमार यादव, डॉ पंकज, डॉ विवेक, डॉ कृष्णा कुमार, डॉ बादल रक्षित, अनुभा कुमारी, अमित सिन्हा, अनिकेत सहित उपस्थित प्राध्यापक, छात्र-छात्राओं व सहयोगी कर्मचारी को धन्यवाद दिया. साथ ही बताया कि इस प्रकार का सेमिनार आगामी समय में महाविद्यालय कराने के लिए दृढ़ संकल्पित हैं.